बुद्धिर्बलं यशो धैर्यम्

Buddhir Balam Yasho Dhairyam • श्लोक • देवनागरी

बुद्धिर्बलं यशो धैर्यं निर्भयत्वमरोगता।
अजाड्यं वाक्पटुत्वं च हनूमत्स्मरणाद्भवेत्॥

रचना / पाठ-परंपरा: पारंपरिक हनुमान स्मरण श्लोक
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।